(1) आठरहवीं सदी का भारत

मुगल सम्राज्य का पतन ⇒

⇒ 1803 में दिल्ली पर ब्रिटिश सरकार का कब्जा हो गया।

मारवाड़ – जोधपुर

⇒ लौहगढ का किला गुरु गोबिन्द सिंह ने अंबाला के उत्तर पूर्व में हिमालय की तराई मे बनवाया।
⇒ छत्रसाल बुंदेला सरदार था।
⇒ चूरामन जाट सरदार था।
⇒ बहादुर शाह की मृत्यु 1712 में हुई।
⇒ बहादुर शाह की मृत्यु के बाद जहांदर शाह गद्दी पर बैठा उस समय के सबसे शक्तिशाली सामंत जुल्फिकार खान ने उसका समर्थन किया।
⇒ जहांदर शाह के काल में घृणत जजिया कर को समाप्त कर दिया गया।
⇒ आमेर के राजा जय सिंह को मिर्जा राजा सवाई की पदवी दी गई। और उन्हे मालवा का सरदार बना दिया गया।
⇒ मारवाड़ के अजीत सिंह को महाराजा की पदवी दी गई।

हुजूरे – लगान के ठेकेदार

⇒ जहांदर शाह का यशहीन शाशन अल्प ही जनवरी 1713 में आगरा में उसके अपने भतीजे फर्रुखसियर के हाथो हार जाने के बाद हो गया।
⇒ फर्रुखसियर की अपनी जीत सैय्यद बंधुओ अब्दुल्ला खां और हुसैन अली खां बराहा के कारण मिली।
⇒ अब्दुल्ला को वजीर का और हुसैन को बख्सी का ओहदा मिला।
⇒ सैय्यद बंधुओ ने फर्रुखसियर को गद्दी से उतार दिया और उसे मार डाला उसकी जगह उन्होने बडी जल्दी-2 बारी-2 से दो युवा शहजादो को गद्दी पर बैठाया जो क्षय रोग से मर गया। तब सैय्यद बंधुओ ने 18 वर्षीय मुहम्मद को हिंदुस्तान का बादशाह बनाया।
⇒ 1713 से 1720 तक फर्रुखसियर तथा उसके उत्तराधिकारी के शाशन के अंत तक राजकीय प्रशाशन में सैय्यद बंधुओ की चलती रही।
⇒ निजाम उल मुल्क और उसके बाप के रिश्ते के भाई मुहम्मद अमीन खां के नेतृत्व में सामंतो का एक शक्तिशाली गुट ने सैय्यद बन्धुओ के खिलाफ षडयंत्र किया।

KD Job Updates

⇒ विरोधी सामंतों को मुहम्मदशाह का समर्थन मिला।
⇒ सैय्यद बन्धु भारतीय इतिहास में राजा बनाने वाले के नाम से जाने जाते हैं।
⇒ मुहम्मद शाह (1719 – 1748 ई०)
⇒ निजाम-उल मुल्क 1722 में वजीर बना।
⇒ उसने 1724 में अपना ओहदा छोड़ दिया और दकन में हैदराबाद रियासत की नींव डालने के लिए दक्षिण चला गया।
⇒ 13 फरवरी 1739 को नादिरशाह की फौज और मुगल शासन के बीच करनाल में मुकाबला हुआ। और मुहम्मद शाह को बंदी बना लिया गया।
⇒ अनुमान किया गया है कि नादिरशाह ने 70 करोड़ का माल लूटा। वह प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा तथा तख्ते ताऊस अपने साथ ले गया।
⇒ 1748 में मुहम्मद शाह की मृत्यु हो गई।
⇒ अहमदशाह अब्दाली नादिरशाह के सबसे काबिल सेनापतियों में से एक था।
⇒ शाहआलम द्वितीय 1759 में गद्दी पर बैठा।
⇒ शाहआलम ने 1764 में बंगाल के मीर कासिम और अवध के सुजाउद्दौला के साथ मिलकर अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कम्पनी के खिलाफ लड़ाई की घोषणा कर दी बक्सर की लड़ाई में अंग्रेजो से हार जाने के बाद वह कई वर्षो तक इलाहाबाद में ईस्ट इंडिया कंपनी का पेंशनयाफता बनकर रहा। वह 1772 में ब्रिटिश सरकार का आश्रय छोड़कर दिल्ली लौटा।

हैदराबाद कर्नाटक ⇒

⇒ निजाम उल मुल्क और आसिफ जहाँ ने 1724 में हैदराबाद राज्य की स्थापना की।
⇒ निजाम उल मुल्क को दकन का वायसराय कहा जाता है।
⇒ पूरनचन्द निजाम उल मुल्क का दीवान था।
⇒ 1748 में निजाम उल मुल्क की मृत्यु हो गई।
⇒ कर्नाटक मुगल दकन का एक सूबा था।
⇒ कर्नाटक के नवाब सआदतउल्ला खां ने अपने भतीजे दोस्त अली को निजाम की मंजूरी के बिना अपना उत्तराधिकारी बना दिया था।

बंगाल ⇒

⇒ केन्द्रीय सत्ता की बढ़ती हुई कमजोरी का फायदा उठाकर असाधारण योग्यता वाले मुर्शीद खां और अली वर्दी खां ने बंगाल को वस्तुतः स्वतंत्र बना दिया।
⇒ मुर्शीद के शासन काल में तीन विद्रोह हुए —

KD Job Updates

पहला – सीताराम राय, उदयनारायण, गुलाम अहमद
दूसरा – शुजात खां
तीसरा – नजात खां

⇒ मुर्शीद कुली खां की मृत्यु 1727 में हुई।
⇒ मुर्शीद के मरने के बाद उसका दामाद शुजाउद्दीन ने 1739 तक शासन किया।
⇒ मुर्शीद के बाद उसका बेटा सरफराज खां गद्दी पर बैठा जिसे उसी साल अली वर्दी खां ने हटाकर सत्ता अपने हाथ में ली।
⇒ मुर्शीद ने बन्दोबस्त व्यवस्था लागू की।
⇒ 1756-57 में सिराजुद्दौला और अंग्रेजों के बीच लड़ाई हुई।

अवध ⇒

⇒ अवध के स्वायत्त राज्य का संस्थापक सआदत खाँ और बुरहान उल-मुल्क थे। उसे 1722 में अवध का सूबेदार बनाया गया।
⇒ 1739 में सआदत खां की मृत्यु हो गई।
⇒ सआदत खां के बाद उसका भतीजा सफदरजंग गद्दी पर बैठा।
⇒ सफदरजंग की मृत्यु 1754 में हुई।
⇒ सफदरजंग जीवनभर माल अपनी एक पत्नी के साथ वफादार रहा

मैसूर ⇒

⇒ अठारहवीं सदी के आरंभ में नंजराज और देवराज नाम के दो मंत्रियों ने मैसूर की शक्ति अपने हाथ में ले रखी थी।
⇒ हैदर अली का जन्म 1721 में हुआ।
⇒ हैदर अली ने 1755 में डिंडगुल में उसने एक आधुनिक शस्त्रागार स्थापित किया।
⇒ 1761 में नंजराज को हैदर अली ने सत्ता से अलग कर दिया।
⇒ हैदर अली ने 1769 में अंग्रेजी फौजों को बार-2 हराया और मद्रास के पास तक पहुँचा।
⇒ हैदर अली द्वितीय आंग्ल युद्ध में 1782 में मर गया।
⇒ उसके स्थान पर उसका बेटा टीपू सुल्तान गद्दी पर बैठा। वह अंग्रेजों के हाथों 1799 में मारा गया।
⇒ टीपू सुल्तान ने एक नए कैलेण्डर को चलवाया
⇒ टीपू सुल्तान ने श्रीरंगपट्टनम में स्वतंत्रता वृक्ष लगवाया और जैकोबिन क्लब का सदस्य बना।
⇒ टीपू सुल्तान की एक अत्यन्त प्रिय उक्ति यह थी कि → एक शेर की तरह एक दिन जीना बेहतर है लेकिन भेड़ की तरह जिंदगी भर ~~भेड़ की तरह~~ जीना बेहतर नहीं है।

KD Job Updates

केरल ⇒ केरल चार प्रमुख राज्य निम्न है।
1. कालीकट
2. चिरक्कल
3. कोचीन
4. त्रावणकोर

⇒ त्रावणकोर राज्य को 1729 के बाद अठारहवीं सदी में एक अग्रणी नेता राजा मार्तंड वर्मा के नेतृत्व मे प्रमुखता मिली।
⇒ मार्तंड वर्मा का उत्तराधिकारी राम वर्मा स्वयं कवि विद्वान संगीतज्ञ प्रसिद्ध अभिनेता और सुसंस्कृत व्यक्ति था।
⇒ वह अंग्रेजी में धारा प्रवाह बात करता था। उसने यूरोप के मामले गहरी दिलचस्पी ली।

दिल्ली के इर्द-गिर्द के इलाके ⇒

राजपूताना राज्य ⇒

⇒ मारवाड़ के अजीत सिंह को उसके बेटे ने ही मार डाला था।
⇒ अठारहवी सदी का सबसे श्रेष्ठ राजपूत शासक सवाई जय सिंह (1699-1743) था।
⇒ जय सिंह सबसे अधिक विज्ञान प्रेमी था।
⇒ सवाई जय सिंह ने जाटो से लिए गए इलाके में जयपुर की स्थापना की और उसे विज्ञान और कला का महान केन्द्र बना दिया।
⇒ जय सिंह एक महान खगोल शास्त्री था।
⇒ जय सिंह ने सारणियो का एक सेट तैयार किया जिससे लोगों को खगोल शास्त्री संबंधी पर्यवेक्षण मे सहायता मिली। इसका नाम जिज मुहम्मदशाही था।
⇒ जय सिंह ने युक्लिड की रेखागणित के तत्व का अनुवाद संस्कृत मे कराया।
⇒ उसने नेपियर का अनुवाद संस्कृत में कराया।
⇒ जय सिंह ने एक ऐसा कानून लगाने की कोशिश की जिससे लड़की की शादी में किसी राजपूत को भारी खर्च न करनी पड़े।

जाट ⇒

⇒ खेतिहारों की एक जाति जाट है। जाट दिल्ली, आगरा, और मथुरा के इर्दगिर्द के इलाके मे रहते थे।
⇒ मथुरा के आस-पास के किसानो ने 1669 और फिर 1688 मे अपने जाट जमींदारो के नेतृत्व मे विद्रोह किए।
⇒ भरतपुर के जाट राज्य की स्थापना चूरामन और बदन सिंह ने की। जाट सत्ता सूरजमल के नेतृत्व मे अपने उच्चतम गरिमा पर पहुंच गई। सूरजमल ने 1756 से 1763 तक शासन किया।
⇒ सूरजमल के राज्य में आगरा, मेरठ, मथुरा और अलीगढ जिले शामील थे।

KD Job Updates

⇒ जाट जाति का अफलातून सूरजमल को कहा जाता है।
⇒ सूरजमल की मृत्यु 1763 में हुई।

वंगश पठान और रुहेल ⇒

⇒ एक अफगान दुस्साहसी मुहम्मद खां वंगश ने फर्रुखाबाद के ईद-गिर्द के इलाके (अलीगढ और कानपुर के बीच के इलाके) पर फर्रुखसियर और मुहम्मद शाह के शासन काल में अपना अधिकार कायम किया।
⇒ अली मुहम्मद खां ने रुहेलखण्ड नामक राज्य की स्थापना की यह राज्य हिमालय की तराई में दक्षिण में गंगा और उत्तर मे कुमायु की पहाडियो तक फैला था। इसकी राजधानी पहले बरेली मे आंवला मे थी और बाद मे रामपुर हो गई।

सिख ⇒

⇒ सिख धर्म को गुरुनानक ने पंद्रहवी शताब्दी मे चलाया।
⇒ एक लडाकू समुदाय के रुप मे सिखों को बदलने का काम गुरु हर गोविन्द (1606-1645) ने आरंभ किया।
⇒ अपने दशवे और आखिरी गुरु गोविन्द सिंह (1664-1708) के नेतृत्व मे सिख एक राजनीतिक और फौजी ताकत बने।
⇒ गुरुगोविन्द सिंह बहादुर शाह के साथ दक्कन गए। जहाँ उन्हे एक पठान ने विश्वासघात कर मार डाला
⇒ गुरु गोविन्द के बाद उसका विश्वास पात्र बंदा सिंह के हाथो मे सत्ता आ गई
⇒ बंदासिंह को 1715 मे पकड लिया गया और उसका कत्ल कर दिया गया

रणजीत सिंह के अधीन पंजाब ⇒

⇒ अठारहवी सदी मे अंत मे सुकेरचकिया मिसल मे प्रधान रणजीत सिंह ने प्रमुखता प्राप्त कर ली।
⇒ धर्मपरायण सिख होते हुए भी यह कहा जाता है कि अपने सिंहासन से उतरकर मुसलमान फकीरो की पैरो की धूल अपनी लंबी सफेद दाढी से झाडता था।

मराठा शक्ति का उत्थान और पतन ⇒

⇒ शिवाजी के पोते शाहू को औरंगजेब ने 1689 से कैद कर रखा था
⇒ शाहू को 1707 मे शिवाजी की मृत्यु के बाद रिहा कर दिया गया फिर जल्द ही शाहू और उसकी चाची ताराबाई के बीच गृह युद्ध छिड गया।
⇒ ताराबाई ने अपने पति राजाराम के मरने के बाद अपने बेटे शिवाजी द्वितीय के नाम मे मुगल विरोधी अभियान 1700 मे चला रखा था।
⇒ शाहू ने बालाजी को 1713 में मुख्य प्रधान या पेशवा बनाया।

KD Job Updates

⇒ बालाजी विश्वनाथ 1719 में सैय्यद हुसैन अली खां के साथ दिल्ली गया और फरुर्खसियर का तख्ता पलटने मे सैय्यद बन्धुओ का साथ दिया।

⇒ बालाजी विश्वनाथ 1720 मे मर गया।

⇒ बालाजी के बाद उसका 20 वर्षीय पुत्र बाजीराव प्रथम पेशवा बना।

⇒ बाजीराव को शिवाजी के बाद गुरिल्ला युद्ध का सबसे बडा प्रतिपादक माना गया है।

⇒ बाजीराव प्रथम 1740 में मर गया।

⇒ बाजीराव ने 1733 मे जंजीरा के सिंदियो के खिलाफ एक लम्बा और शक्तिशाली अभियान चलाया।

⇒ बाजीराव की मृत्यु के बाद बाजीराव का अठारह साल का पुत्र बालाजी बाजीराव पेशवा बना।

⇒ बालाजी बाजीराव को नानाशाहब के नाम से भी जाना जाता है।

⇒ बालाजी बाजीराव 1740 से 1761 तक पेशवा रहा।

⇒ राजा शाहू 1749 मे मर गया।

⇒ बालाजी बाजीराव अपना मुख्यालय पुणे ले गया।

⇒ नजीबउद्दौला रुहेलखण्ड का नवाब था।

⇒ पानीपत का तृतीय युद्ध 14 जनवरी 1761 मे अहमद शाह अब्दाली और विश्वास राव, सदाशिव राव भाऊ के बीच हुआ।

⇒ बालाजी बाजीराव जून 1761 में मर गया।

⇒ 17 वर्षीय माधवराव 1761 में पेशवा बना।

⇒ माधवराव ने हैदर अली को हराया।

⇒ मराठे 1771 मे शाहआलम को लेकर दिल्ली आए।

⇒ माधवराव 1772 में मर गया।

⇒ पुणे मे बालाजी बाजीराव के छोटे भाई रघुनाथ राव और माधव राव के छोटे भाई नारायण राव के बीच सत्ता के लिए संघर्ष हुआ जिसमे नारायण राव मारा गया।

⇒ सवाई माधव के समर्थको का नेता नाना फडनवीस था।

गायकवाड - बडौदा
होल्कर - इंदौर
भोंसले - नागपुर
सिंधिया - ग्वालियर

⇒ सवाई माधवराव 1795 में मर गया। उसकी जगह उसका चेचा बाजीराव द्वितीय ने ली।

दूसरा मराठा युद्ध — (1803–1805)

तीसरा मराठा युद्ध — (1816–1819)

KD Job Updates

जनता की सामाजिक आर्थिक अवस्था ⇒

⇒ दिल्ली को नादिरशाह ने लूटा और लाहौर, दिल्ली और मथुरा को अहमदशाह अब्दाली ने आगरा को जाटों ने सूरत और गुजरात के अन्य शहरों तथा दकन को मराठों ने और सरहिंद को मराठों ने लूटा।

⇒ अठारहवीं सदी में कपड़ा उद्योग के मुख्य केन्द्र

बंगाल -	ढाका, मुर्शिदाबाद
बिहार -	पटना
गुजरात -	सूरत, अहमदाबाद, भड़ौच
मध्यप्रदेश -	चंदेरी
महाराष्ट्र -	बुरहानपुर
उत्तरप्रदेश -	जौनपुर, बनारस, लखनऊ, आगरा
पंजाब -	मुलतान, लाहौर
आंध्रप्रदेश -	मछलीपट्टनम, औरंगाबाद, चिकाकोल, विशाखा-
कर्नाटक -	बंगलौर
तमिलनाडु -	मदुरै

⇒ महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और बंगाल में जहाज निर्माण का उद्योग स्थापित हुआ।

⇒ अठारहवीं सदी में केरल में परिवार मातृप्रधान था।

⇒ अहिल्या बाई ने इंदौर पर 1766 से 1796 तक बड़ी सफलता से शासन किया।

⇒ अठारहवीं सदी में दक्षिण भारत में सती प्रथा का प्रचलन नहीं था।

⇒ अठारहवीं सदी में केरल में कथकली, साहित्य, नाटक और नृत्य का पूर्ण विकास हुआ।

⇒ पंजाबी के मशहूर प्रेम महाकाव्य हीर रांझा की रचना वारिस शाह ने इसी काल में किया।

रिशालो -	अब्दुल लतीफ
सित्तरकाव्य तामिल -	तायुमानवर

(2) भारत में यूरोपियो का प्रवेश और अंग्रेजो की विजय

⇒ स्पाइस आइसलैण्ड (मसाले के द्वीप) को पहले ईस्ट इंडीज के नाम से जाना जाता था।

⇒ 1494 में स्पेन का कोलंबस भारत की खोज करने निकला था और वह अमेरिका की खोज कर बैठा।

⇒ 1498 में पुर्तगाल के वास्कोडिगामा ने यूरोप से भारत तक का एक नया और पूरी तरह से समुद्री मार्ग ढूढ निकाला वह केप ऑफ गुड होप होते हुए अफ्रीका का पूरा चक्कर लगाकर कालीकट पहुंचा।

⇒ भारत मे पुर्तगालियो ने कोचीन, गोवा, दयू और दमन मे अपने व्यापारिक केन्द्र खोले।

⇒ गोवा पर 1510 मे अधिकार करने वाला अलफांसो डी अलबुकर्क जब वायसराय था तब फारस की खाडी मे स्थित हरमुज से लेकर मलाया मे स्थित मलक्का से लेकर और इंडोनेशिया के स्पाइस आइसलेण्ड तक एशिया के पूरे समुद्रतट पर पुर्तगालियो ने अधिकार जमा लिया।

⇒ 1602 मे डच ईस्ट कंपनी की स्थापना हुई।

⇒ डचो ने पश्चिमी भारत मे गुजरात के सूरत, भडौच, कैंबे और अहमदाबाद केरल के कोचीन मद्रास के नागापत्तम आंध्र के मुसलीपत्तम बंगाल के चिन्सूरा बिहार के पटना और उत्तर प्रदेश के आगरा नगरो मे व्यापार केन्द्र खोले।

⇒ 1599 में मर्चेन्ट एडवेंचरर्स नाम से जाने जाने वाले कुछ व्यापारियो ने पूर्व से व्यापार करने के लिए एक कंपनी बनाई इस कंपनी को ईस्ट इंडिया कंपनी कहा जाता है।

⇒ 1600 को महारानी एलिजाबेथ ने एक चार्टर के द्वारा पूर्व से व्यापार करने का एक मात्र अधिकार दे दिया।

⇒ 1608 मे इस कंपनी ने भारत के पश्चिमी तट पर सूरत मे एक फैक्ट्री खोलने का निश्चय किया तब व्यापारिक केन्द्रो को फैक्ट्री के नाम से जाना जाता था।

⇒ तभी कंपनी ने कैप्टन हॉकिन्स को जहांगीर के दरबार मे शाही आज्ञा के लिए भेजा।

कम्पनी के व्यापारिक प्रभाव का विस्तार ⇒ (1600-1744)

⇒ ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1623 तक सूरत, भडौच, अहमदाबाद आगरा और मुसलीपट्टम मे फैक्ट्रियां स्थापित की।

⇒ अंग्रेजो ने दक्षिण मे अपनी पहली फैक्ट्री मुसलीपट्टम मे 1611 मे लगाई पर जल्द ही उनकी गतिविधी का केन्द्र मद्रास हो गया जिसका पट्टा 1639 में वहां के स्थानीय राजा ने उन्हे दे दिया। यहाँ अंग्रेजो ने फैक्ट्री के इर्द-गिर्द एक छोटा सा किला बनाया जिसका नाम फोर्ट सेंट जार्ज था।

KD Job Updates

⇒ पूर्वी भारत में अंग्रेज कंपनी ने आरंभिक फैक्ट्रियो में एक की स्थापना 1633 में उड़ीसा मे की थी। 1651 मे उसे बंगाल के हुगली में व्यापार की इजाजत मिल गई। तब कंपनी ने जल्द ही पटना, बालासोर ढाका और बंगाल बिहार के दूसरे स्थान पर फैक्ट्रियां खोल ली

⇒ 1686 मे अंग्रेजो ने हुगली को तहस-नहस कर दिया और मुगल सम्राट के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी।

⇒ 1698 में कंपनी ने सूतानाटी, कलिकाटा और गोविंदपुरी की जमींदारी प्राप्त कर ली और उन्होने फैक्ट्री के इर्द-गिर्द फोर्ट विलियम नाम का किला बनवाया यही गांव जल्द ही बढ़कर कलकत्ता हो गया।

⇒ दक्षिण में अंग्रेजो और फ्रांसीसियो के टकराव ⇒

⇒ फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना 1664 में हुई।

⇒ डुप्ले फ्रांसीसी गर्वनर जनरल था।

⇒ कर्नाटक मे चांदा साहब ने नबाव के खिलाफ षड्यंत्र करना प्रारम्भ कर दिया और हैदराबाद मे निजाम उल-मुल्क और आसफ जहाँ के मरने पर उसके बेटे नासिर जंग और मुजफ्फर जंग में सत्ता के लिए गृह युद्ध छिड़ गया इस बात का डुप्ले ने फायदा उठाया और चांदा साहब और मुजफ्फर जंग से ~~सत्ता के लिए गृह युद्ध छिड़ गया था~~ इस बात का गुप्त समझौता कर लिया की वह अपने प्रशिक्षित फ्रांसीसी और भारतीय सैनिको द्वारा उसकी सहायता करेंगे।

⇒ 1749 में चांदा साहब, मुजफ्फर जंग और डुप्ले ने मिलकर अंबूर के युद्ध में अनवारउद्दीन को हराकर मार डाला उसका बेटा मुहम्मद अली तिरुचुरापल्ली भाग गया शेष कर्नाटक चांदा साहब के हाथ मे आ गया मुजफ्फर जंग दक्कन का सूबेदार बन गया।

⇒ निजाम का अर्थ सूबेदार होता है।

⇒ 1754 में डुप्ले वापस चला गया।

⇒ अंग्रेजो ने नासिर जंग और मुहम्मद अली का साथ दिया।

⇒ सफदरजंग की मृत्यु के बाद फ्रांसीसियो ने हैदराबाद मे सलाबत जंग को गद्दी पर बैठाया।

⇒ कर्नाटक की राजधानी अर्काट थी।

बंगाल और अंग्रेजो का अधिकार ⇒

⇒ भारत में ब्रिटिश राजनीतिक सत्ता का आरम्भ 1757 के प्लासी के युद्ध से माना जा सकता है। कंपनी ने बंगाल के नबाव सिराजुद्दौला को हरा दिया।

⇒ सिराजुद्दौला ने 20 जून 1756 को फोर्ट विलियम पर अधिकार कर लिया था।

KD Job Updates

⇒ अंग्रेज बंगाल के प्रमुख लोगों के साथ साजिश करते रहे इनमें प्रमुख थे मीर जाफर जो मीर बख्शी के पद पर था मानिकचंद जो कलकत्ता का अधिकारी था अमीचंद जो एक धनी व्यापारी था। जगत सेठ जो बंगाल का एक बैंकर था और खादिम खां जिसकी कमान में नवाब की सेना का एक बड़ा भाग था।

⇒ क्लाइव ने 1757 में दोबारा कलकत्ता को जीत लिया।

⇒ 23 जून 1757 को मुर्शिदाबाद से 20 मील दूर प्लासी के मैदान में इनकी सेनाएँ आमने-सामने हुई।

⇒ नवाब को मजबूर होकर भागना पड़ा और मीर जाफर के बेटे मीरन ने उसकी हत्या कर दी।

⇒ बंगाल के कवि नवीनचंद्र के अनुसार प्लासी के युद्ध के बाद भारत के लिए शाश्वत दुख की काली रात का आरंभ हुआ।

⇒ अंग्रेजों ने अक्तूबर 1760 में मीर जाफर को मजबूर किया कि वह अपने दामाद मीर कासिम के हक में गद्दी छोड़ दे। मीर कासिम ने अपने आकाओं की इस कृपा के बदले बर्दवान, मिदनापुर और चटगांव जिलों की जमींदारी सौंप दी।

⇒ मीर कासिम 1764 में हरा दिया गया तब वह अवध भाग गया जहाँ उसने अवध के नवाब शुजाउद्दौला और मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय के साथ एक समझौता किया कंपनी के साथ इन तीनों सहयोगियों की मुठभेड़ 22 अक्तूबर 1764 को बक्सर में हुई जिसमें ये तीनों हारे।

⇒ इस बीच क्लाइव 1765 में बंगाल का नवाब बनकर लौट आया।

⇒ शाहआलम द्वितीय छह वर्षों तक इलाहाबाद के किले में लगभग कैदी बनकर रहा।

⇒ शुजाउद्दौला को भी बड़ी लड़ाई के हर्जाने के रूप में पचास लाख देने पड़े।

वारेन हेस्टिंग्ज (1772-85) और कार्नवालिस (1786-93) के युद्ध ⇒

⇒ 1766 में मैसूर का युद्ध हैदर अली और निजाम उल-मुल्क, अंग्रेज

⇒ प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध (1772-1782) → वारेन हेस्टिंग्ज

⇒ सल्बई की संधि 1782

⇒ शांति संधि 1784 टीपू और हेस्टिंग्ज

⇒ श्रीरंगपट्टनम में हुई संधि के अनुसार टीपू ने अपना राज्य अंग्रेजों और उसके सहयोगियों को दे दिया और 330 लाख रुपए हर्जाना भी दिया।

लार्ड वेलेजली के काल में अंग्रेजों का प्रसार ⇒ (1798-1805)

KD Job Updates

सहायक संधि ⇒ सहायक संधि प्रथा की नीति के अनुसार किसी सहयोगी भारतीय राज्य के शासक को ब्रिटिश सेना अपने राज्य में रखनी पड़ती थी तथा इसके रख-रखाव के लिए अनुदान देना पड़ता था।

⇒ सहायक संधि के अनुसार आम तौर पर भारतीय शासक को यह भी मानना पड़ता था कि वह अपने दरबार में एक ब्रिटिश रेजीडेंट रखेगा अंग्रेजो की स्वीकृत के बिना किसी और यूरोपीय को अपनी सेवा मे नहीं रखेगा और गवर्नर जनरल से सलाह किए बिना कोई वार्ता नही करेगा इसके बदले अंग्रेज उस शासक को दुश्मनो से रक्षा करने का वचन देते थे।

⇒ लार्ड वैलेजली ने 1798 और 1800 में सहायक संधियां की।

⇒ वैलेजली ने 1801 मे अवध के नवाब को सहायक संधि के लिए मजबूर किया।

⇒ वैलेजली मैसूर कर्नाटक और सूरत के साथ और भी कड़ाई से पेश आया

⇒ टीपू सुल्तान ने एक ब्रिटिश विरोधी गठजोड़ बनाने के लिए अफगानिस्तान, अरब और तुर्की को दूत भेजे।

⇒ मैसूर की राजधानी श्रीरंगपट्टनम थी।

⇒ 4 मई 1799 को टीपू की मृत्यु हो गई।

⇒ 25 अक्तूबर 1802 को दीवाली के दिन होल्कर ने पेशवा और सिंधियो पर हमला किया और दोनो को हरा दिया तो वर्ष 1802 के अंतिम दिनो में बाजीराव द्वितीय ने सहायक संधी पर हस्ताक्षर कर दिया।

⇒ नवंबर 1803 को लार्ड लेक ने लसवाड़ी मे सिंधिया की सेना को तहस नहस कर दिया और अलीगढ़ दिल्ली और आगरा पर कब्जा कर लिया।

⇒ 1806 मे राजघाट की संधी द्वारा होल्कर के साथ अंग्रेजो ने शांति स्थापित कर लिया।

लार्ड हेस्टिंग्ज के काल में प्रसार ⇒

⇒ पेशवा ने नवंबर 1817 मे पूना में अंग्रेज रेजीडेंट पर हमला किया। अप्पा साहब ने नागपुर स्थित रेजीडेंसी पर आक्रमण किया और माधव राव होल्कर युद्ध की तैयारी करने लगा।

⇒ लार्ड हेस्टिंग्ज 1813-22 ने सिंधिया को ब्रिटिश आधीनता स्वीकार कराई और पेशवा, भौसले, होल्कर की सेना को हराया।

⇒ इस तरह 1818 तक पंजाब को छोड़कर पूरा भारतीय उपमहाद्वीप अंग्रेजो के नियंत्रण मे आ चुका था।

सिंध की विजय ⇒

⇒ 1843 मे सर चार्ल्स नेपियर ने एक संक्षिप्त अभियान के बाद सिंध का अधिग्रहण कर लिया।

KD Job Updates

⇒ 1832 में एक संधि के द्वारा सिंध की सड़कों और नदियों को ब्रिटिश व्यापार के लिए खोल दिया गया था।

पंजाब की विजय ⇒

⇒ पांच पानियों का देश सतलज नदी पर स्थित था।

⇒ 13 दिसंबर 1845 को पंजाब और अंग्रेजो के बीच युद्ध छिड़ गया

⇒ प्रधानमंत्री राजा लाल सिंह और प्रधान सेनापति मिस्सर तेजसिंह का शत्रु के साथ पत्र व्यवहार जारी था।

⇒ पंजाब की सेना ने 8 मार्च 1846 को लाहौर मे एक अपमानजनक समझौते पर हस्ताक्षर किया।

⇒ 1846 मे एक और समझौता हुआ जिसका द्वारा राज्य के एक-2 विभाग के सारे मामलो मे लाहौर स्थित अंग्रेजी रेजीडेंट को पूरा अधिकार दे दिया गया। उसके द्वारा राज्य के किसी भी कोने मे ब्रिटिश सरकार को सेना तैनात करने का अधिकार मिल गया।

⇒ 1848 मे लार्ड डलहौजी ने पंजाब को हड़प लिया।

⇒ लार्ड डलहौजी 1848 गवर्नर जनरल बनकर भारत आया।

राज्य विलय का सिद्धान्त ⇒ इस सिद्धान्त के अनुसार अगर किसी सुरक्षा प्राप्त राज्य का शासक बिना एक स्वाभाविक उत्तराधिकारी के मर जाए तो उसका राज्य उसके दत्तक अधिकारी उत्तराधिकारी को नही सौंपा जाएगा। इसके बजाए अगर उत्तराधिकारी गोद लेने के काम को पहले से अंग्रेज अधिकारियो की सहमति प्राप्त न होगी तो वह राज्य ब्रिटिश राज्य में मिला लिया जायेगा।

⇒ 1848 मे सतारा और 1854 में नागपुर और झांसी समेत अनेक राज्यो का इसी सिद्धान्त के अनुसार अधिग्रहण कर लिया गया।

⇒ अवध के नवाब वाजिद अली पर इल्जाम लगाया गया कि उन्होने अपना शासन ठीक ढंग से नही चलाया और सुधार लागू करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उसके राज्य को 1856 में हड़प लिया गया।

KD Job Updates

(3) भारत मे ब्रिटिश साम्राज्य की आर्थिक नीतियाँ और प्रशासनिक ढांचा ⇒

⇒ 1767 में संसद ने एक कानून बनाकर कंपनी के लिए ब्रिटिश खजाने मे प्रतिवर्ष चार लाख पौंड देना अनिवार्य बना दिया

⇒ शास्त्रीय अर्थशास्त्र के संस्थापक एडम स्मिथ ने भी अपनी प्रसिद्ध पुस्तक राष्ट्रों की संपत्ति में सीमित सदस्यता वाली कंपनियो की निंदा की।

⇒ 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट की गतिविधियो से संबंधित पहला महत्वपूर्ण संसदीय कानून था।

⇒ रेगुलेटिंग एक्ट के दोषो तथा ब्रिटिश राजनीति के उतार-चढ़ाव के कारण 1784 मे एक और कानून बनाना पड़ा जिसे पिट का इंडिया एक्ट कहा जाता है।

⇒ उसने भारतीय मामलो की देख रेख के लिए छ: कमिश्नर नियुक्त किए इन्ही को बोर्ड ऑफ कंट्रोल कहा जाता है जिसमे दो कैबिनेट मंत्री भी शामिल थे।

⇒ 1786 मे गवर्नर जनरल को यह अधिकार दे दिया गया कि वह भारतीय साम्राज्य की शांति सुरक्षा या इसके हितों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों पर अपनी कौंसिल की राय को ठुकरा सके।

⇒ 1813 के चार्टर एक्ट के अनुसार भारतीय व्यापार पर कंपनी का एकाधिकार समाप्त हो गया और सभी ब्रिटिश नागरिको को भारत के साथ व्यापार करने की छूट दे दी गई पर चाय के व्यापार पर और चीन के साथ व्यापार पर कंपनी का एकाधिकार बना रहा।

भारत मे अंग्रेजो की आर्थिक नीतियां ⇒ (1667-1857) ⇒

वाणिज्य-नीति ⇒

⇒ 1600 से 1757 तक भारत मे ईस्ट इंडिया कंपनी की भूमिका एक ऐसे व्यापारिक निगम की थी जो भारत मे माल या बहुमूल्य धातुएं लाता था तथा उनके बदले कपड़े मसाले आदि भारतीय माल लेकर उन्हे विदेशो मे बेचता था।

दि इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया - आर. सी. दत्त

⇒ 1765 मे कंपनी ने बंगाल की दीवानी प्राप्त की।

⇒ हाउस ऑफ लार्ड के सेलेक्ट कमेटी के अध्यक्ष और बाद मे भारत के गवर्नर-जनरल लार्ड एलनबरो ने 1840 मे स्वीकारा की भारत से आशा की जाती है कि वह देश को प्रतिवर्ष 20-30 लाख पौण्ड स्टर्लिंग के बीच कोई रकम भेजे।

⇒ मद्रास के 'बोर्ड ऑफ रेवेन्यु के अध्यक्ष जॉन सुलिवन ने टिप्पणी की कि — "हमारी प्रणाली बहुत कुछ स्पंज की

तरह काम करती है।

यातायात और संचार के साधनों का विकास ⇒

⇒ कलकत्ता से दिल्ली तक ग्रैंड ट्रंक रोड पर 1839 में काम आरंभ हुआ और 1850 के दशक में पूरा हुआ।

⇒ जार्ज स्टीवेंसन का बनाया पहला रेल इंजन इंग्लैण्ड में 1814 में पटरियों पर चलाया गया।

⇒ भारत में रेल लाइन बिछाने का पहला सुझाव 1831 में मद्रास में आया था पर इस रेल के डिब्बे को घोड़े खींचने वाले थे। भारत में भाप के इंजन से चलने वाली पहली रेल का प्रस्ताव 1834 में इंग्लैण्ड में रखा गया।

⇒ बंबई और ठाणे के बीच पहली रेल लाइन 1853 में यातायात के लिए खोल दिया गया।

⇒ 1849 में भारत का गवर्नर जनरल बनने वाला लार्ड डलहौजी यहाँ तेजी से रेल लाइन बिछाने का पक्का समर्थक था।

रैयत - किसान

⇒ 1853 में आगरा और कलकत्ता के बीच पहली तार लाइन का आरंभ किया गया।

⇒ लार्ड डलहौजी ने डाक टिकट जारी किया।

एक अधन्नी - पुराने दो पैसे

इस्तमरारी बंदोबस्त ⇒

⇒ वारेन हेस्टिंग्ज ने मालगुजारी की वसूली के अधिकार को नीलाम पर लगाकर सबसे अधिक बोली लगाने वाले को दे दिया।

⇒ लार्ड कार्नवालिस ने 1793 में बंगाल और बिहार में इस्तमरारी बंदोबस्त का आरंभ किया।

⇒ **रैयतवारी बंदोबस्त** ⇒ इस प्रथा में काश्तकार जमीन के जिस टुकड़े को जोतता - बोता था वह उसका मालिक मान लिया जाता था। शर्त यह थी कि वह उस जमीन की मालगुजारी देता रहे।

⇒ **महलवारी प्रथा** ⇒ गंगा के दोआब के पश्चिमोत्तर प्रांत में मध्य भारत के कुछ भागों में और पंजाब के जमींदारी प्रथा का एक संशोधित रूप लागू किया गया। जिसे महलवारी प्रथा कहा जाता है। इस व्यवस्था में मालगुजारी की बंदोबस्त अलग - 2 गांवों या जागीरों के आधार पर उन जमींदारों या उन परिवारों के मुखियों के साथ किया गया जो सामूहिक रूप से उस गांव या महल का भूस्वामी होने का दावा करते थे।

④ प्रशासनिक संगठन और सामाजिक तथा सांस्कृतिक नीति

⇒ नागरिक सेवा का जन्मदाता लार्ड कार्नवालिस था।

⇒ कार्नवालिस 1786 में भारत का गवर्नर जनरल बनकर भारत आया।

⇒ लार्ड वेल्सली ने 1800 में नागरिक सेवा में आने वाले युवा लोगों के प्रशिक्षण के लिए कलकत्ता में फोर्ट विलियम कालेज खोला। कंपनी के निदेशकों ने उसकी कारवाई को पसंद नहीं किया और 1806 में उन्होंने कलकत्ता के कालेज की जगह इंग्लैण्ड में हैलबरी के अपने ईस्ट इंडिया कालेज में प्रशिक्षण प्रारंभ किया।

⇒ 1853 तक नागरिक सेवा की सारी नियुक्तियां ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक ही करते रहे।

⇒ अंततोगत्वा वे 1853 में उसे खो बैठे जब चार्टर एक्ट ने यह कानूनी व्यवस्था लागू कर दी की नागरिक सेवा में खुले प्रवेश प्रतियोगी परिक्षाओं के द्वारा किए जाएंगे।

⇒ कार्नवालिस के बाद जॉन सोर भारत का गवर्नर जनरल बनकर भारत आया।

⇒ कार्नवालिस ने कहा था कि "हिंदुस्तान का हर निवासी भ्रष्ट है।"

⇒ चार्ल्स ग्रांट ने कहा था कि "भारतीय जनता मनुष्यों की अत्यंत पतित और निकृष्ट नस्ल है। जिसमें नैतिक जिम्मेदारी की नाम मात्र की भावना रह गई है।

⇒ भारतीय नागरिक सेवा को बहुधा इस्पात का चौखटा कहा गया है।

⇒ पुलिस ब्रिटिश शासन का तीसरा स्तम्भ थी इसका सृजन करने वाला कार्नवालिस ही था।

⇒ दीवानी और फौजदारी - वारेन हेस्टिंग्ज

⇒ विलियम बैंटिक ने 1831 में अपील कर प्रांतीय अदालतों तथा दीवानी अदालतों को कम कर दिया।

⇒ 1833 में चार्टर एक्ट के कानून बनाने के सारे अधिकार कौंसिल की सहमति से गवर्नर जनरल को दे दिए।

⇒ सरकार ने 1833 में लार्ड मैकाले के नेतृत्व में भारतीय कानूनों को संहिता बद्ध करने के लिए एक विधी आयोग नियुक्त किया।

⇒ अंग्रेजी राज के दौरान भारतीय विधी प्रणाली कानून के सम्मुख समानता की अवधारणा पर आधारित थी।

⇒ विलियम बैंटिक ने 1829 में सती प्रथा को गैर कानूनी बताया।

⇒ भूतकाल में अकबर, औरंगजेब, पेशवाओं और जयपुर के राजा जय सिंह ने इस कुप्रथा को रोकने की कोशिश की।

KD Job Updates

⇒ शिशु हत्या को रोकने के संबंध में कानून 1795 और 1802 में बनाए गए थे मगर उन्हे सख्ती से वैंटिक और हार्डिंग ने ही लागू किया।

⇒ हार्डिंग ने नर बलि प्रथा को खत्म करने के लिए भी कानून बनाया। यह प्रथा गोंड नाम की जाति में अधिक प्रचलित थी। भारत सरकार ने 1856 में हिन्दू विधिवाओ के पुनर्विवाह के लिए कानून पास किया।

⇒ वारेन हेस्टिंग्ज ने 1781 में मुस्लिम कानून और संबद्ध विषयो का अध्ययन और पढाई के लिए कलकत्ता में मदरसा कायम किया।

⇒ जोनाथन डंकन ने 1791 में हिंदू कानून और दर्शन के अध्ययन के लिए वाराणसी में संस्कृत कालेज स्थापित किया।

⇒ प्रसिद्ध बंगला उपन्यासकार बंकिम चन्द्र चटर्जी 1858 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रथम दो स्नातको में से थे।

⇒ 1854 में सरकारी घोषणा की गई की सरकारी रोजगार के लिए आवेदन करने वालों को अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है।

⇒ 1911 में 94 प्रतिशत तथा 1921 में 92 प्रतिशत जनसंख्या निरक्षर थी।

KD Job Updates

⑤ उन्नीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण

⇒ आधुनिक भारत का प्रथम नेता राजा राम मोहन राय को माना जाता है।

⇒ राजाराम मोहन राय सोचते थे की केवल पश्चिमी संस्कृति से ही भारतीय समाज का पुनरुत्थान संभव है।

संश्लिष्ट - मिलेजुले

"एकेश्वरवादियों को उपहार" — राजाराम मोहन राय

⇒ राजाराम मोहन राय ने वेदो और पांच उपनिषदो का बंगला अनुवाद प्रकाशित किया।

प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस — राजाराम मोहन राय

⇒ राजाराम मोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की।

⇒ औरतों की स्थिति को सुधारने के लिए उन्होंने मांग की कि उन्हे विरासत और संपत्ति संबंधी अधिकार दिए जाए।

⇒ डेविड हेअर ने 1817 मे कलकत्ता में प्रसिद्ध हिंदू कालेज की स्थापना की वह 1800 मे एक व्यवसाय के रूप मे भारत आया था।

⇒ 1825 में राजाराम मोहन राय ने एक वेदांत कालेज की स्थापना की। उन्होने बंगला अनुवाद पर एक पुस्तक की रचना की

⇒ ब्रह्म सभा के प्रथम मंत्री ताराचंद चक्रवर्ती थे

⇒ डेरोजिओ को उसकी क्रांतिकारिता के कारण 1831 में हिंदू कालेज से हटा दिया गया। और वह उसके तुरंत बाद 22 वर्ष की युवावस्था मे हैजे के कारण मर गया।

⇒ तत्वबोधिनी सभा की स्थापना देवेन्द्र नाथ ठाकुर ने की

⇒ तत्वबोधिनी पत्रिका बंगला मे थी।

⇒ विद्यासागर का जन्म 1820 मे एक गरीब परिवार मे हुआ था।

⇒ विद्यासागर ने एक बंगला वर्णमाला लिखी जो आजतक इस्तेमाल की जाती है।

⇒ हमारे देश की उच्च जातियो मे पहला कानूनी हिन्दू विधवा पुनर्विवाह कलकत्ता में 7 दिसंबर 1856 को विद्यासागर की प्रेरणा से और उनकी ही देख-रेख मे हुआ।

⇒ विद्यासागर ने 1850 मे बाल विवाह का विरोध किया।

⇒ बेथुन स्कूल की स्थापना 1849 में कलकत्ता में हुई

⇒ लडकियो को आधुनिक शिक्षा देने की दिशा मे सर्वप्रथम ईसाई धर्म प्रचारको ने कदम उठाए

⇒ बंबई के बालशास्त्री जांबेकर ने 1832 में एक 'दर्पण' नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया।

KD Job Updates

⇒ बंबई के बालशास्त्री जांबेकर ने ~~1832~~ में प्रथम सुधारकों में से थे जिन्होंने ब्राह्मणवादी कट्टरता की आलोचना की।

⇒ 1849 में बंबई में परमहंस मण्डली की स्थापना की गई।

⇒ 1851 में ज्योतिबा फूले और उनकी पत्नी ने मिलकर एक लड़कियों का स्कूल खोला।

⇒ 1850 में विष्णु शास्त्री पंडित ने विधवा समाज की स्थापना की।

⇒ 1852 में करसोन दास मलजी ने 'सत्यप्रकाश' नामक पत्रिका निकाली।

KD Job Updates

⑥ 1857 का विद्रोह

⇒ 1855-56 में बिहार और बंगाल के संथाल कबीलों के लोग कुल्हाड़ी तथा तीर धनुष लेकर विद्रोह पर उतर आए थे।

⇒ 1856 मे लार्ड डलहौजी ने अवध को ब्रिटिश शासन मे मिला लिया

⇒ नानासाहब आखिरी पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे

⇒ 1849 में डलहौजी ने मुगल वंश की प्रतिष्ठा पर यह घोषणा करके चोट की थी कि बहादुर शाह के उत्तराधिकारी को ~~उसे~~ ऐतिहासिक लाल किला को छोड़कर दिल्ली के बाहर कुतुबमिनार के पास एक बहुत छोटे स्थान पर रहना होगा।

⇒ 1856 मे लार्ड कैनिंग ने यह घोषणा की कि बहादुर शाह की मृत्यु के बाद मुगलों से सम्राट की पदवी छीन ली जाएगी और वे सिर्फ राजा ही कहलाएंगें।

⇒ 1856 में एक कानून बना जिसके अनुसार हर नए भर्ती होने वाले सिपाही को आवश्यकता हो तो समुद्र पार होकर भी सेवा करने की जमानत देनी पड़ती थी।

⇒ बंगाल ~~में~~ बहुत पहले 1764 में एक सिपाही विद्रोह घटित हो चुका था अधिकारियों ने 30 सैनिकों को तोप के मुँह मे बाँध कर उड़ा दिया था।

⇒ 1806 में वेल्लूर मे सिपाहियों का विद्रोह हुआ था।

⇒ 1824 मे बैरकपुर मे सिपाहियों की 47वीं रेजीमेण्ट ने समुद्री रास्ते से वर्मा जाने से इनकार कर दिया।

⇒ 1844 मे वेतन और भत्ता के सवाल पर सात बटालियनों ने विरोध किया।

⇒ कालेज ऑफ दी इंडियन म्यूटिनी – सैयद अहमद खान

⇒ मंगल पाण्डेय को 29 मार्च 1857 को फांसी दी गई।

⇒ 1857 के विद्रोह के प्रमुख केन्द्र दिल्ली, कानपुर, लखनऊ बरेली, झांसी, तथा आरा (बिहार) दिल्ली मे प्रतीक रूप ~~से~~ कहने को विद्रोह के नेता बहादुर शाह थे परन्तु वास्तविक नियंत्रण एक सैनिक समीति के हाथों में था जिसके प्रमुख जनरल बख्त खान थे।

⇒ लखनऊ में विद्रोह का नेतृत्व अवध की महारानी बेगम हजरत महल कर रही थी उन्होंने अपने नाबालिग बेटे बिरजीस कदर को अवध का नवाब बनाया।

⇒ रानी लक्ष्मी बाई 17 जून 1858 को वीरगति को प्राप्त हुई

⇒ बिहार मे विद्रोहियों के प्रमुख नेता कुवरसिंह थे। जो आरा के निकट जगदीशपुर के एक तबाह और असंतुष्ट जमींदार थे।

⇒ फैजाबाद मे अहमदुल्लाह जो विद्रोह के एक प्रमुख नेता थे।

KD Job Updates

⇒ 1857 के विद्रोह के समय गवर्नर जनरल लार्ड कैनिंग थे।

⇒ 20 सितंबर 1857 को दिल्ली पर दोबारा कब्जा कर लिया गया बूढ़े सम्राट बहादुर शाह बंदी बना लिए गए सम्राट पर मुकदमा चला तथा उन्हें रंगून भेज दिया गया 1862 को वही उनकी मृत्यु हो गई।

⇒ तात्या टोपे 1859 में सोते समय एक जमींदार दोस्त की गद्दारी के कारण पकड़े गए।

⇒ तांत्या टोपे को 15 अप्रैल 1859 को फांसी की सजा दी गई।

⇒ मंगल पाण्डेय ने सार्जेन्ट मेजर ह्युसन की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

KD Job Updates

⑦ 1858 के बाद प्रशासनिक परिवर्तन

⇒ 1858 में ब्रिटिश संसद द्वारा पारित एक कानून ने शासन का अधिकार ईस्ट इंडिया कंपनी से लेकर ब्रिटिश सरकार को दे दिया।

⇒ 1861 के इंडियन कौंसिल्स एक्ट में गवर्नर-जनरल की कौंसिल को कानून बनाने की शक्ति से और भी बड़ा बना दिया गया और इसलिए इसे इंपीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल नाम दिया गया।

⇒ गवर्नर जनरल को एक्जिक्यूटिव कौंसिल में 6 से 12 सदस्य तक बढ़ाने का अधिकार था। यह मात्र एक सलाह समीति थी।

⇒ लेजिस्लेटिव कौंसिल में भारतीय सदस्यों की संख्या बहुत कम थी और वे भारतीय जनता द्वारा न चुनकर गवर्नर जनरल द्वारा चुने जाते थे।

⇒ प्रांतीय वित्त को केंद्रीय वित्त से अलग करने के दिशा में पहला कदम 1870 में लार्ड मेयो ने उठाया।

⇒ सिविल सर्विस 1863 में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले भारतीय सत्येन्द्र नाथ ठाकुर थे।

⇒ 1876 में पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर ब्रिटेन की सत्ता पर जोर देने के लिए रानी विक्टोरिया ने भारत की साम्राज्ञी का पद भी संभाल लिया।

⇒ पहला इंडियन फैक्ट्री एक्ट 1881 में बनाया गया। इसमें कहा गया था कि 7 वर्ष से कम के बच्चों को कारखानों में नहीं लगाया जाएगा।

⇒ दूसरा इंडियन फैक्टरीज एक्ट 1891 में बनाया गया इसमें कहा गया था कि सभी सभी मजदूरों के लिए साप्ताहिक छुट्टी की व्यवस्था की जाए।

⇒ 1835 में चार्ल्स मैटकाफ ने भारतीय प्रेस को प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया था।

⇒ भारतीय प्रेस की आजादी को कम करने के लिए 1878 में वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट बनाया गया। यह कानून 1882 में रद्द कर दिए गए।

⇒ 1905 में जुझारू स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन के बाद 1908 और 1910 में कड़े प्रेस कानून फिर बनाए गए।

⇒ नेपाल युद्ध 1814

KD Job Updates

⑧ ब्रिटिश शासन का आर्थिक प्रभाव

⇒ 1901 और 1941 के बीच कृषि पर निर्भर जनसंख्या का प्रतिशत 63.7 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत हो गयी थी।

⇒ बंगाल में ब्रिटिश शासन के आरम्भ में ही यथासंभव अधिक भूराजस्व उगाहने की क्लाइव और वारेन हेस्टिंग्ज की नीति के कारण इतना विध्वंस हुआ कि कार्नवालिस ने भी शिकायत भरे लहजे में कहा कि एक-तिहाई बंगाल एक जंगल में बदल गया है जिसमें केवल वनचर ही रहते हैं।

⇒ भूराजस्व की ~~कमी~~ रकम प्रतिवर्ष बढ़ती ही गई वह 1857-58 में 15.3 करोड़ रुपए थी जो बढ़कर 1936-37 में 35.8 करोड़ रुपए हो गई।

⇒ ~~भूराजस्व की रकम प्रतिवर्ष बढ़ती ही गई~~
1939 तक पूरे भारत में छः कृषि कालेज थे।

⇒ पहली कपड़ा मिल 1853 में कावसजी नाना भाई ने बंबई में शुरू की और पहली जूट मिल 1855 में रिशरा में स्थापित की गई।

⇒ भारत में इस्पात का उत्पादन सबसे पहले 1913 में हुआ।

⇒ नील से रंग बनाने का उद्योग भारत में अठारहवीं सदी के अन्त में शुरू किया गया वह बंगाल और बिहार में फला-फूला।

⇒ नील दर्पण नाटक को 1858 में दीन बंधु मित्र ने लिखा।

⑨ नए भारत का उदय

⇒ दिसंबर 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीव पड़ी।

⇒ राजाराम मोहन राय पहले ऐसे भारतीय नेता थे जिन्होंने भारत में राजनीतिक सुधारों के लिए आन्दोलन चलाया

⇒ 1866 में लंदन में दादा भाई नैरोजी ने ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना की।

⇒ भारत का पितामह (ग्रैंड ओल्ड मॉन ऑफ इंडिया) दादा भाई नैरोजी को कहा जाता था। वे भारत के पहले आर्थिक विचारक भी थे।

⇒ तीन बार दादा भाई को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुनकर उनका सम्मान किया गया।

⇒ सुरेन्द्रनाथ बनर्जी बहुत अन्याय पूर्ण ढंग से अपने अधिकारियों द्वारा सिविल सर्विस से बाहर कर दिए गए थे।

⇒ बनर्जी ने 1875 में कलकत्ता के हालों के सामने राष्ट्रवादी विचारों पर प्रभावशाली भाषण देकर अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया।

⇒ सुरेन्द्रनाथ तथा आनंदमोहन बोस के नेतृत्व में इन युवा राष्ट्रवादियों ने जुलाई 1876 में इंडियन एसोसिएशन की नीव रखी।

⇒ जस्टिस रानाडे तथा उनके साथियों ने 1870 के दशक में पूना में सार्वजनिक सभा की स्थापना की।

⇒ एम. वीर राघवाचारी, जी सुब्रामन्य अय्यर आनंद चार्लू तथा इसरो ने 1884 में मद्रास महाजन सभा की नींव डाली।

⇒ टी. तेलंग, बदरुद्दीन तैयबजी ने 1885 में बाम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन बनाया।

⇒ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को एक ठोस और अंतिम रूप देने का श्रेय एक सेवानिवृत्त अंग्रेज सिविल सर्वेंट ए. ओ. ह्यूम को जाता है उन्होंने प्रमुख भारतीय नेताओं से संपर्क किया और उनके सहयोग से बंबई में दिसंबर 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अधिवेशन का आयोजन किया उसकी अध्यक्षता डब्लू० सी० बनर्जी ने किया।

⇒ 1886 में कांग्रेस के 436 प्रतिनिधि विभिन्न स्थानीय संगठनों तथा समूहों द्वारा चुने गए थे।

⇒ 1890 में कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रथम महिला स्नातक कादंबिनी गांगुली ने कांग्रेस के अधिवेशन को संबोधित किया।

⇒ दादाभाई नैरोजी ने 1881 में ही घोषित कर दिया था कि ब्रिटिश शासन एक स्थायी बदला हुआ तथा लगातार

KD Job Updates

बढ़ता हुआ विदेशी आक्रमण है जो धीरे-2 सही मगर पूरे भारत को नष्ट कर रहा है।

⇒ 1892 में भारतीय परिषद कानून पास हुआ।

⇒ 1896 में एक व्यापक स्वदेशी आंदोलन के अंग के रूप में पूना, महाराष्ट्र तथा दूसरे नगरों में विदेशी वस्त्रों की खुलेआम होली जलाई गई।

⇒ आस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे स्वशासित उपनिवेशों की तर्ज पर ब्रिटिश साम्राज्य के अन्दर रहकर ही स्वशासन का दावा पेश किया। कांग्रेस के मंच से इस मांग को 1905 में गोखले और 1906 में दादाभाई नैरोजी ने उठाया

⇒ 1889 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एक ब्रिटिश समीति बनाई गई इस समीति ने 1890 में इंडिया नामक एक पत्रिका भी निकाली।

⇒ उदारिन से लेकर नीचे तक के सभी ब्रिटिश अधिकारी राष्ट्रवादी नेताओं को "बेबका बाबू" रानदोही ब्राह्मण तथा हिंसक खलनायक कहने लगे। कांग्रेस को राजद्रोह का कारखाना कहा जाने लगा।

KD Job Updates

⑩ नए भारत का उदय

⇒ राजाराम मोहन राय की ब्रह्म परंपरा को 1843 के बाद देवेन्द्रनाथ ठाकुर ने बढ़ाया।
⇒ 1866 के बाद इस आन्दोलन को केशवचन्द्र ने आगे बढ़ाया।
⇒ धार्मिक ग्रंथो की व्याख्या के लिए पुरोहित वर्ग को भी ब्रह्म समाज ने अनावश्यक बताया।
⇒ ब्रह्म समाजी मूलतः मूर्तिपूजा तथा अंधविश्वास पूर्ण कर्मकाण्डो के बल्कि पूरी ब्राह्मणवादी परंपरा के विरोधी थे।

महाराष्ट्र के धार्मिक सुधार

⇒ बंबई प्रांत मे धार्मिक सुधार कार्य का आरंभ 1840 में परमहंस मण्डली ने आरंभ किया। इसका उद्देश्य मूर्तिपूजा तथा जातिप्रथा का विरोध करना था।
⇒ पश्चिमी भारत के पहले धार्मिक सुधारक संभवतः गोपाल हरि देशमुख थे जिन्हे जनता लोकहित वादी कहती थी।
⇒ प्रार्थना समाज के प्रमुख नेता आर॰ जी॰ भण्डारकर और महादेव गोविन्द रानाडे थे।
⇒ रामकृष्ण परमहंस (1834-1886)
⇒ स्वामी विवेकानन्द (1863 - 1902)
⇒ गति जीवन का चिन्ह है — विवेकानन्द
⇒ 1896 मे विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी।
⇒ इनका जोर व्यक्ति की मुक्ति नही बल्कि सामाजिक कल्याण और समाज सेवा पर था।

स्वामी दयानन्द सरस्वती और आर्यसमाज

⇒ उत्तर भारत में हिन्दू धर्म के सुधार का बीड़ा आर्यसमाज ने उठाया इसकी स्थापना 1875 में स्वामी दयानन्द (1824-83) ने की थी।
⇒ दयानन्द सरस्वती मानते थे की प्रत्येक व्यक्ति को ईश्वर तक पहुँचने का सीधा अधिकार है। वे पश्चिमी विज्ञानो के अध्ययन के भी समर्थक थे।
⇒ परंपरा वादी शिक्षा के प्रसार के लिए स्वामी श्रद्धानन्द ने 1902 मे हरिद्वार के निकट गुरुकुल की स्थापना की।
⇒ आर्यसमाजियो ने छुआछूत और वंश परंपरा पर आधारित जाति प्रथा का कठोरता से विरोध किया।

थियोसोफिकल सोसायटी

⇒ थियोसोफिकल सोसायटी की स्थापना संयुक्त राज्य अमेरिका मे मैडम एच॰ पी॰ ब्लावात्सकी तथा कर्नल एच॰ एस॰ ओलकाट द्वारा की गई। बाद मे ये भारत आ गए तथा 1886 मे मद्रास के करीब अडियार में उन्होने सोसायटी का हेडक्वार्टर स्थापित किया 1893 मे भारत आने वाली श्रीमती एनी बेसेंट

KD Job Updates

के नेतृत्व में थियोसोफी आन्दोलन जल्द ही भारत में फैल गया।

⇒ भारत में श्रीमती एनी बेसेंट के प्रमुख कार्यों में एक था बनारस में केन्द्रीय हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना जिसे बाद में मदन मोहन मालवीय ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया।

सैयद अहमद खान तथा अलीगढ आंदोलन

⇒ मुहम्डन लिटरेरी सोसायटी की स्थापना 1863 में कलकत्ता में हुई।

⇒ सैयद अहमद खान (1817-1898)

⇒ सैयद अहमद खान ने कहा था कि 'जब तक विचार की स्वतंत्रता विकसित नही होती सभ्य जीवन संभव नही है।

⇒ सर सैयद अहमद खान ने 1875 में अलीगढ में मुहम्डन एंग्लो ओरिएंटल कालेज की स्थापना की

⇒ चिराग अली, उर्दू शायर अल्ताफ हुसैन हाली नजीर अहमद तथा मौलाना शिबली नुमानी अलीगढ आंदोलन के प्रमुख नेता थे।

⇒ आधुनिक भारत के महानतम कवियों में एक मुहम्मद इकबाल (1876-1939) ने भी अपनी कविता द्वारा नौजवान मुसलमानों तथा हिंदुओं के दार्शनिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण पर गहरा प्रभाव डाला।

⇒ पारसी लोगो मे धार्मिक सुधार का आरंभ नौरोजी करदनजी, दादाभाई नैरोजी, एस. एस. बंगाली तथा अन्य लोगो ने किया।

⇒ आल इंडिया यूनियन कांग्रेस 1927 में स्थापित हुआ।

⇒ अनुसूचित जाति महासंघ की स्थापना ज्योतिबा फूले ने की।

KD Job Updates

(11) राष्ट्रवादी आंदोलन (1905-1918)

⇒ 1904 में इंडियन आफिशियल सेक्रेट्स एक्ट बना जिसने प्रेस की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया।

⇒ 1897 मे नाटू भाइयो को बिना मुकदमा चलाए देशबाहर कर दिया गया और उन पर लगाए गए आरोपों तक को भी नहीं बताया गया।

⇒ 1880 के बाद के दशक मे बाल गंगाधर तिलक ने न्यु इंगलिश स्कूल की स्थापना में भाग लिया।

⇒ बालगंगाधर तिलक ने अंग्रेजी मे 'मराठा' तथा मराठी में केसरी नामक पत्रो की स्थापना की।

⇒ बालगंगाधर तिलक ने 1896-97 मे उन्होंने महाराष्ट्र में कर न चुकाने का अभियान चलाया।

⇒ 20 जुलाई 1905 को लार्ड कर्जन ने एक आज्ञा जारी करके बंगाल को दो भागो में बाँट दिया

⇒ पहले भाग मे पूर्वी बंगाल तथा असम था जिसकी जनसंख्या 3.1 करोड थी।

⇒ दूसरे भाग मे शेष बंगाल था जिसकी जनसंख्या 5.4 करोड थी।

बंग-भंग विरोधी आंदोलन ⇒ बंग भंग विरोधी आंदोलन या स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन बंगाल के पूरे राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रयासो के कारण आरंभ मे इसके प्रमुखतम नेता सुरेन्द्र नाथ बनर्जी और कृष्ण कुमार मित्र थे।

⇒ विभाजन विरोधी आंदोलन 7 अगस्त 1905 को प्रारंभ हुआ

⇒ विभाजन 16 अक्तूबर 1905 को लागू किया गया

आमार सोनार बंगला - रवीन्द्र नाथ ठाकुर

⇒ 15 अगस्त 1906 को एक राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की स्थापना की गई कलकत्ता में एक राष्ट्रीय कालेज का आरंभ हुआ जिसके प्रधानाचार्य अरविन्द घोष थे।

⇒ विभाजन के समय भारत-सचिव लार्ड मार्ले था।

⇒ दिसंबर 1908 मे बंगाल मे नौ नेताओं को देश बाहर कर दिया गया इसमे आदरणीय नेता कृष्ण कुमार मित्र अश्विनी कुमार दत्त भी थे। इसके पहले पंजाब के नहरी इलाकों में हुए दंगो के बाद लाला लाजपत राय और सरदार अजीत सिंह देशबाहर कर दिए गए थे।

⇒ 1897 मे चापेकर भाइयो ने पूना मे दो बदनाम अधिकारियो का वध कर डाला था।

⇒ 1904 मे विनायक दामोदर सावरकर ने 'अभिनव भारत' नाम से क्रांतिकारियो का एक गुप्त संगठन बनाया था।

युगांतर, संध्या — बंगाल

काल — महाराष्ट्र

KD Job Updates

⇒ 1908 में खुदीराम बोस तथा प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर मैजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम फेंका जिसमे वे समझते थे कि बदनाम जज किंग्सफोर्ड बैठा है। बाद में प्रफुल्ल चाकी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए खुद को गोली मार ली। खुदीराम बोस पर मुकदमा चलाकर फांसी दे दी गई।

⇒ नरम पंथियो को खुश करने के लिए 1909 में इंडियन कौंसिल एक्ट के रूप में संवैधानिक सुधारो की घोषणा की गई इसी सुधार को 1909 में मोर्ले-मिण्टो सुधार के नाम से जाना जाता है।

⇒ 1911 मे सरकार ने बंगाल के विभाजन को समाप्त करदेने की घोषणा भी की पश्चिमी और पूर्वी बंगाल फिर से मिला दिए गए तथा बिहार और उड़ीसा नाम के दो प्रांत इससे अलग बना दिए गए। इसी के साथ केन्द्र सरकार की राजधानी कलकत्ता से हटाकर दिल्ली कर दी गई।

संप्रदायवाद का विकास ⇒

⇒ अरविंद घोष ने अरहस्यवादी ढंग से भारत को माता और राष्ट्रवाद को धर्म बतलाया। शक्तिवादी देवी काली के सामने शपथ लेते थे। बंगाल विरोधी आंदोलन का आरंभ गंगा मे डुबकी लगाकर किया गया।

⇒ गांधी जी ने कहा-'धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला है इसे राजनीतिक या राष्ट्रीय मामलो से नही जोड़ना चाहिए

⇒ 1906 मे आगा खां ढाका के नवाब और नवाब मोहसीनुलमुल्क के नेतृत्व मे अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना हुई।

⇒ मौलाना मुहम्मद अली हकीम, अजमल खान, हसन इमाम, मौलाना जफर अली खान और मजहरुल हक के नेतृत्व में उग्र राष्ट्रवादी अहरार राष्ट्रवादी आन्दोलन की स्थापना हुई।

अल हिलाल – मौलाना अबुल कलाम आजाद

⇒ अल हिलाल की स्थापना 1912 मे हुई।

⇒ 1909 मे पंजाब हिंदू सभा की स्थापना हुई।

⇒ अप्रैल 1915 मे कासिम बाजार के महाराज की अध्यक्षता में अखिल भारतीय हिंदू महासभा का पहला अधिवेशन हुआ।

⇒ पहला विश्वयुद्ध जून 1914 में शुरु हुआ।

होम रूल मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है – तिलक

KD Job Updates

⇒ 1915-16 मे दो होम रूल लीगो की स्थापना हुई। इनमे एक के नेता लोकमान्य तिलक थे. तो दूसरा भारतीय जनता की अंग्रेज प्रशंसिका श्रीमती एनी बेसेंट और सुब्रामन्य अय्यर के नेतृत्व मे था।

⇒ जून 1917 में एनी बेसेंट को गिरफ्तार कर लिया गया जनता के विरोध के कारण श्रीमती एनी बेसेंट और सुब्रमन्य अय्यर के नेतृत्व मे था।

⇒ जून 1917 मे एनी बेसेंट को गिरफ्तार कर लिया गया

⇒ अमरीका और कनाडा मे बसे भारतीय क्रांतिकारियो ने 1913 मे गदर पार्टी की स्थापना की। लाला हरदयाल, मुहम्मद बरकतुल्लाह, भगवान सिंह, रामचन्द्र और सोहन सिंह भगना गदर पार्टी के कुछ प्रमुख नेता थे।

⇒ गदर पत्र के सिरे पर "अंग्रेजी राज का दुश्मन" शब्द लिखे होते थे।

⇒ गदर पत्र मे एक विज्ञापन छापा गया –

" भारत मे विद्रोह फैलाने के लिए बहादुर सिपाहियो की आवश्यकता है।

तनख्वाह - मौत
इनाम - शहादत
पेंशन - आजादी

लड़ाई का मैदान भारत है।

⇒ मोहन सिंह बखाना → हम सिख या पंजाबी नही है हमारा धर्म देशभक्ति है।

गदर नेता ⇒ बाबा गुरमुख सिंह, करतार सिंह सराभा, सोहन सिंह भखना, रहमत अली शाह, भाई परमानन्द और मौलवी बरकतुल्लाह

⇒ पंजाब मे सशस्त्र विद्रोह के लिए 21 फरवरी 1915 की तारीख निश्चित हुई थी।

⇒ सिंगापुर मे पांचवी लाइट कैवल्री के 700 लोगो ने जमादार चिश्ती खान और सुबेदार डुंडे खान के नेतृत्व में विद्रोह किया

⇒ 1915 मे एक असफल क्रांतिकारी प्रयास में जतिन मुखर्जी जिन्हे बाबा जतिन कहा जाता है बालासोर मे पुलिस से लड़ते हुए मारे गए। रास बिहारी बोस राजा महेन्द्र प्रताप, लाला हरदयाल, उबैदुल्लाह सिंधी, चंपक रमनपिल्लै सरदार सिंह राणा और ~~मदाम~~ भीकाजी कुछ ऐसे प्रमुख भारतीय थे जिन्होने भारत से बाहर क्रांतिकारी गतिविधियां चलाई।

KD Job Updates

(12) स्वराज्य के लिए संघर्ष

⇒ राष्ट्रीय आंदोलन का तीसरा और अंतिम चरण 1919 में शुरू हुआ।
⇒ मार्च 1919 में सरकार ने केन्द्रीय विधान परिषद के एक-एक भारतीय सदस्य द्वारा विरोध के बावजूद रौलट एक्ट बनाया। इस कानून में सरकार को अधिकार प्राप्त था कि वह किसी भी भारतीय पर अदालत में मुकदमा चलाए बिना दंड दे सकता है।
⇒ मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म में पोरबन्दर नामक स्थान पर हुआ। 2 अक्टूबर 1869
⇒ गांधी 46 वर्ष की आयु में 1915 में भारत लौटे।
⇒ गांधी जी ने सत्याग्रह का अपना पहला बड़ा प्रयोग बिहार के चंपारण जिले में 1917 में किया।
⇒ 1918 में गांधीजी ने अहमदाबाद के मजदूरों और मिल मालिकों के एक विवाद में हस्तक्षेप किया
⇒ फरवरी 1919 में गांधी जी ने एक सत्याग्रह सभा बनाई जिसके सदस्यों ने रौलट एक्ट के कानून का पालन न करने तथा गिरफ्तारी और जेल जाने का सामना करने की शपथ ली।
⇒ पंजाब में अमृतसर में 13 अप्रैल 1919 को एक निहत्थी मगर भारी भीड़ अपने लोकप्रिय नेताओं डॉक्टर सैफुद्दीन किचलू और डॉ० सत्यपाल का विरोध करने के लिए जालियांवाला बाग में जमा हुई। अमृतसर के कोंजी कमांडर जनरल डायर ने बाहर की जनता को आतंक द्वारा वश में करने का निश्चय किया।
⇒ रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने जालियांवाला बाग हत्याकाण्ड के विरोध में अपनी नाइट की उपाधी वापस कर दी थी।
⇒ खिलाफत और असहयोग आंदोलन (1919-22)
⇒ खिलाफत आंदोलन ने 31 अगस्त 1920 को एक असहयोग आंदोलन का आरम्भ किया।
⇒ 1 अगस्त को 64 वर्ष की आयु में लोकमान्य तिलक का निधन हो गया।
⇒ 1920 में जिन लोगों ने कांग्रेस छोड़े वे विभिन्न थे— मुहम्मद अली जिन्ना, जी० एस० खपर्डे, विपिनचन्द्र पाल एनी बेसेंट।
⇒ जामिया मीलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय पहले अलीगढ़ पहले अलीगढ़ में था फिर बाद में दिल्ली चला गया।
⇒ सितंबर 1921 में राजद्रोह का आरोप लगाकर अली भाइयों को गिरफ्तार कर लिया गया।
⇒ 1 फरवरी 1922 को महात्मा गांधी ने घोषणा की कि अगर सात दिनों के अन्दर राजनीतिक बंदी रिहा नहीं किए जाते और प्रेस पर सरकार का नियंत्रण समाप्त नहीं होता तो वे करो के गैर अदायगी समेत एक सामूहिक

KD Job Updates

नागरिक अवज्ञा आंदोलन छेड़ेगें।

⇒ कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने 12 फरवरी को गुजरात के बारडोली नामक स्थान पर अपनी मीटिंग की और अपने प्रस्ताव द्वारा उनसभी गतिविधियों द्वारा रोक लगा दी जिनसे कानून का उल्लेखन हो सकता था।

⇒ दि इंडियन स्ट्रगल — सुभाषचन्द्र बोस

⇒ 10 मार्च 1922 को महात्मा गांधी को गिरफ्तार करके उन पर सरकार के खिलाफ असंतोष भड़काने का आरोप लगाया गया।

⇒ दिसंबर 1922 मे दास और मोतीलाल नेहरू ने कांग्रेस खिलाफत स्वराज्य पार्टी की स्थापना की।

⇒ मार्च 1925 में एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता विठ्ठलभाई पटेल को केन्द्रीय धारा सभा का अध्यक्ष चुना गया।

⇒ चितरंजन दास का निधन 1925 में हुआ।

⇒ सांप्रदायिक दंगो के रूप मे देखी गयी दरिंदगी का प्रायश्चित करने के लिए गांधी जी ने दिल्ली स्थित मौलाना मुहम्मद अली के घर में सितंबर 1924 में 21 दिनो का उपवास किया लेकिन उनके प्रयासों को कोई विशेष सफलता नही मिली।

⇒ नवंबर 1927 मे साइमन कमीशन के गठन की घोषणा हुई।

KD Job Updates

(12) स्वराज्य के लिए संघर्ष - II

⇒ पहला अखिल बंगाल छात्र सम्मेलन अगस्त 1928 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ।

⇒ 1924 में सरकार ने मुजफ्फर अहमद और श्रीपाद अमृत डांगे को गिरफ्तार करके उनपर कम्युनिष्ट विचारों के प्रचार का आरोप लगाया।

⇒ 1925 में कम्युनिष्ट पार्टी की स्थापना हुई।

⇒ 1928 में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में किसानों ने टैक्स न देने का आंदोलन चलाया।

⇒ एक अखिल भारतीय सम्मेलन के बाद अक्टूबर 1924 में सशस्त्र क्रांति के लिए संगठन के उद्देश्य से हिंदुस्तान प्रजातंत्र की स्थापना हुई।

⇒ 30 अक्टूबर 1928 को साइमन कमीशन विरोधी एक प्रदर्शन पर पुलिस के बर्बर लाठी चार्ज के कारण एक आकस्मिक परिवर्तन आया इसमें लाठियों की चोट खाकर पंजाब के महान नेता लाला लाजपत राय शहीद हो गए। युवक इससे क्रुद्ध हो उठे और 17 दिसंबर 1928 को भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद और राजगुरु ने लाठीचार्ज का नेतृत्व करने वाले ब्रिटिश अधिकारी सांडर्स को गोलियों से भून दिया।

⇒ 8 अप्रैल 1929 को भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने धारा सभा में बम्ब फेंका।

⇒ भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को 1931 में फांसी दे दी गई।

⇒ 1926 में भगतसिंह पंजाब में नौजवान भारत सभा की स्थापना में भाग लिए और उसके प्रथम सचिव बने।

⇒ चन्द्रशेखर आजाद 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद में एक पार्क में पुलिस से मुकाबला करते हुए मारे गए।

⇒ साइमन कमीशन का बहिष्कार ⇒ आंदोलन के इस नए चरण को बल तब मिला जब नवंबर 1927 में ब्रिटिश सरकार ने इंडियन स्टेट्युटरी कमीशन का गठन किया जिसे आमतौर पर साइमन कमीशन कहा जाता है। इसका उद्देश्य आगे सांविधानिक सुधार के प्रश्न विचार करना था।

⇒ 1927 के कांग्रेस के मद्रास अधिवेशन की अध्यक्षता डा० अंसारी साहब कर रहे थे उसमें राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस कमीशन के बहिष्कार का निर्णय किया।

⇒ 1929 के ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन में जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया।

⇒ 31 दिसंबर 1929 को स्वाधीनता का नया-2 स्वीकृत तिरंगा झंडा लहराया गया।

KD Job Updates

⇒ 26 जनवरी 1930 को पहला स्वाधीनता दिवस घोषित किया गया।

⇒ 1927 के कांग्रेस के मद्रास अधिवेशन की अध्यक्षता डा० अंसारी कर रहे थे। इसमे राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस कमीशन के बहिष्कार का निर्णय किया।

⇒ दूसरा नागरिक अवज्ञा आंदोलन 12 मार्च 1930 को गांधी जी के प्रसिद्ध दांडी मार्च के साथ आरंभ हुआ। इस दिन 78 चुने हुए अनुयायियो को साथ लेकर गांधीजी साबरमती आश्रम से चले और लगभग 200 किमी० दूर गुजरात के समुद्रतट पर स्थित दांडी गाव पहुँचे। गांधी जी 6 अप्रैल को दांडी पहुँचे।

⇒ सीमांत गांधी के नाम से जाने-2 वाले खान अब्दुल गफ्फार खाँ के नेतृत्व मे पठानो ने खुदाई खिदमतगार नामक संगठन बना लिया जो जनता के बीच "लाल कुर्ती वाले" कहलाते थे।

⇒ इस बीच 1930 में ब्रिटिश सरकार ने लंदन में भारतीय नेताओ और सरकारी प्रवक्ताओं का पहला गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। इसका उद्देश्य साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर विचार करना था लेकिन कांग्रेस ने सम्मेलन का बहिष्कार किया और इसकी कार्यवाहियां बेकार गई।

⇒ गांधी इर्विन समझौता 1931 मे हुआ।

⇒ गांधीजी सितंबर 1931 में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने इंग्लैण्ड गए लेकिन उनकी जोरदार वकालत के बावजूद सरकार ने डोमिनियन स्टेट्स तत्काल देकर उनके आधार पर स्वतंत्रता की बुनियादी राष्ट्रवादी मांगो को मानने से इनकार कर दिया।

⇒ दिसंबर 1930 में कांग्रेस ने न लगान न टैक्स का अभियान चलाया।

⇒ 4 जनवरी 1932 को गांधी जी तथा दूसरे कांग्रेसी नेता फिर धर लिए गए और कांग्रेस गैरकानूनी घोषित करदी गई।

⇒ 1933 मे सुभाषचन्द्र बोस और विट्ठलभाई पटेल ने घोषणा कर दी थी कि एक राजनीतिक नेता के रूप में महात्मा जी असफल रहे है।

⇒ नवंबर 1932 मे जब कांग्रेस संबर्ग के मझधार मे थी तब लंदन मे फिर कांग्रेस के बिना तीसरे गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमे हुए विचार विमर्श का परिणाम अंतत: 1935 के भारत सरकार कानून के रूप मे सामने आया।

⇒ इस कानून में एक नए अखिल भारतीय संघ की स्थापना तथा प्रांतो मे प्रांतीय स्वयत्तता के आधार पर एक नए शासन प्रणाली की व्यवस्था थी।

KD Job Updates

⇒ 1935 के बाद पूरनचंद जोशी के नेतृत्व मे कम्युनिस्ट पार्टी का प्रसार हुआ और 1934 में आचार्य नरेन्द्रदेव तथा जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में कांग्रेस समानवादी पार्टी की स्थापना हुई।

⇒ फारवर्ड ब्लाक की स्थापना सुभाषचन्द्र बोस ने की।

⇒ 1936 में स्वामी सहजानंद सरस्वती की अध्यक्षता में पहला अखिल भारतीय किसान संगठन अखिल भारतीय किसान सभा के नाम से बना।

⇒ जवाहरलाल नेहरू 'लीग अगेंस्ट इंपीरियालिज्म' की एक्जीक्युटिव कौंसिल का सदस्य चुना गया।

रजवाड़ों की जनता का संघर्ष ⇒

⇒ 1921 मे चैंबर ऑफ प्रिंसेज की स्थापना की गई ताकि महाराजे मिल बैठ सके और ब्रिटिश मार्गदर्शन मे अपने साझे हित के विषयों पर विचार कर सके।

⇒ 1935 मे भारत सरकार कानून में प्रस्तावित संघीय ढांचे की योजना इस प्रकार रखी गयी थी कि राज्यवादी शक्तियों पर नियंत्रण बना रहे। इसमें व्यवस्था थी कि ऊपरी सदन के कुल सीटों के 2/5 पर तथा निचले सदन मे 1/3 पर रजवाड़ो का प्रतिनिधित्व रहेगा।

⇒ आल इंडिया स्टेट्स पीपुल्स कांफ्रेंस की स्थापना 1927 मे हुई।

⇒ जवाहर लाल नेहरू को 1939 में आल इंडिया स्टेट्स पीपुल्स कांफ्रेंस का अध्यक्ष चुना गया।

⇒ 1940 में मुस्लिम लीग ने एक प्रस्ताव पारित करके मांग की कि स्वाधीनता के बाद देश के दो भाग कर सिंध और पाकिस्तान नाम का एक अलग राज्य बनाया जाए।

दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान राष्ट्रीय आन्दोलन

⇒ दूसरा विश्वयुद्ध सितंबर 1939 मे आरंभ हुआ।

⇒ अक्टूबर 1940 में गांधी जी ने कुछ चुने हुए व्यक्तियों को साथ लेकर सीमित पैमाने पर सत्याग्रह चलाने का निर्णय लिया।

⇒ सत्याग्रह करने वाले पहले व्यक्ति विनोबा भावे थे।

⇒ 15 मई 1941 तक 25,000 से अधिक सत्याग्रही गिरफ्तार किए जा चुके थे।

⇒ ब्रिटिश सरकार ने युद्ध मे भारत के सहयोग के लिए एक कैबिनेट मंत्री सर स्टैफोर्ड क्रिप्स के नेतृत्व मे मार्च 1942 में एक मिशन भारत भेजा। क्रिप्स पहले लेबर पार्टी के उग्र सदस्य और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के पक्के समर्थक थे।

KD Job Updates

⇒ ~~ब्रिटिश सरकार~~ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की मीटिंग 8 अगस्त 1942 को बंबई में हुई जिसमें प्रसिद्ध 'भारत छोड़ो' का प्रस्ताव दिया गया।

⇒ 9 अगस्त को बहुत तड़के ही गांधी जी तथा दूसरे कांग्रेसी नेता गिरफ्तार करके अनजानी जगह पर ले जाए गए।

⇒ 1943 में बंगाल में आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा अकाल फूट पड़ा कुछ ही महीनों में तीस लाख से अधिक लोग भूख से मर गए।

⇒ 30 जनवरी 1948 को गांधी जी की हत्या कर दी गई।

KD Job Updates